रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 17 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 283 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

नई सरकार की शपथ के लिए मुहूर्त का इंतजार

बीजेपी के कोटे में आएंगे ज्यादा मंत्री, ये होगा फॉर्मूला

बिहार विधानसभा चुनावों के परिणाम सामने आ चुके हैं. प्रदेश में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है. इस चुनाव में एनडीए को बंपर बहुमत मिला है इसके साथ ही महागठबंधन को करारा झटका लगा है चुनाव नतीजे सामने आने के बाद अब सरकार गठन को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं. हालांकि एनडीए सूत्रों की मानें तो अलगे 3-4 दिनों में नई सरकार का गठन हो सकता है.नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह अगले तीन चार दिन में होने की संभावना जताई जा रही है। इस समय शपथ ग्रहण के लिए सही समय और मुहूर्त तय किया जा रहा है. इसके साथ ही तमाम दलों के नेता सीएम नीतीश कुमार से मिलकर उन्हें जीत की बधाई भी दे रहे हैं मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व को लेकर सहयोगियों में बातचीत चल रही है. ये तय किया जा रहा है कि तमाम दलों के कितने-कितने लोग सरकार में मंत्री बनेंगे. इसी को लेकर बिहार से दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है. सभी सहयोगियों को उनकी जीती हुई सीटों के अनुपात में भागीदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है।

बैठक में चुनाव जाएगा विधायक दल का नेता

एनडीए के सहयोगी दलों में से लगभग सभी का प्रदर्शन शानदार रहा है जेडीयू की बात की जाए तो 85 सीटों पर जीत दर्ज की है. इस शानदार जीत के बाद अब सोमवार को राजधानी पटना में जेडीयू विधायक दल की बैठक होने जा रही है. पहले सभी दल अपनी-अपनी बैठक आयोजित करेंगे इसके बाद ही एनडीए के विधायक दल की बैठक होगी. इसमें एनडीए के विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

शपथ ग्रहण में शामिल होंगे पीएम मोदी

शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्रीय मंत्री और एनडीए/बीजेपी शासित राज्य सरकारों के मुख्यमंत्री/डिप्टी सीएम शामिल होंगे. भले ही इसका औपचारिक ऐलान न हुआ हो, लेकिन तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कैसे होगा मंत्रियों का बंटवारा

बिहार में मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व को लेकर कई फार्मूले पर विचार किया जा रहा है. इनमें 6 विधायकों पर एक मंत्रीपद के फार्मूले पर विचार किया जा रहा है गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी से है अगर इस फॉर्मूले को अंतिम रूप मिलता हो तो बीजेपी से 14 से 16 विधायक मंत्री बन सकते हैं। जेडीयू से 13 से 14 मंत्री होने की संभावना जताई जा रही है. इसके अलावा चिराग पासवान की पार्टी के कोटे में 4 मंत्रीपद जा सकते हैं. उपेंद्र कुशवाहा और मांझी की पार्टी को 1- 1 मंत्री पद से संतोष करना पड़ सकता है।

मोहन भागवत बोले

'गुरु दक्षिणा' है RSS का फंड?

जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कहा कि ये सवाल पहले भी उठाए गए थे उनके सब प्रश्नों के उत्तर वहां पर मिल गए, बस एक प्रश्न बाकी रहा 9संघ का फंडिंग कैसे होता है? इसके बारे में मैंने पहले भी बताया था और वहां भी यही बताया कि ये 'गुरू दक्षिणा' है. फिलहाल, इसे लेकर उन्हें सारी जानकारी मिल चुकी ही है, लेकिन उनका ये सवाल अभी भी बना हुआ है.ऐसा इसलिए क्योंकि वो इसपर विश्वास नहीं कर सकते. उन्होंने कहा कि किसी संगठन के सदस्य अपने खर्चे से केवल चलाते हैं ऐसा नहीं है बल्कि समर्पणवृत्ति से देते हैं. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा था कि भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभरा है जिस पर अब दुनिया वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए निर्भर है।

मील-दर-मील बढ़ रहा भारत

जयपुर में एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान में उन्होंने शनिवार को कहा कि दुनिया वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देखती है. देश के तेजी से विकास पर नजर डालते हुए सीएम भागवत ने कहा कि इंच-दर-इंच बढ़ने के बजाय, भारत अब मील-दर-मील बढ़ रहा है. भारत की दुनिया भर में प्रतिष्ठा है उन्होंने आगे कहा कि भारत के पास दुनिया के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान देने की बौद्धिक गहराई है. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के पास दुनिया के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान देने के लिए बुद्धि और विचार दोनों हैं वैश्विक संघर्षों के इतिहास पर विचार करते हुए, भागवत ने कहा कि युद्ध राष्ट्रवाद से उपजते हैं. उन्होंने कहा कि युद्ध राष्ट्रवाद के कारण होते हैं, इसलिए वैश्विक नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीयता की बात करना शुरू कर दिया. लेकिन हमने देखा कि जो लोग अंतर्राष्ट्रीयता की बात करते हैं, वे अपने राष्ट्र के हित को सर्वोपरि रखते हैं।

पुतिन के क्लोन ऑफिस का पर्दाफाश!

विदेशी मीडिया का दावा- ठिकानों का पता लगाना मुश्किल

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के क्लोन ठिकानों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, विदेशी मीडिया की ओर से दावा किया जा रहा है कि पुतिन के घरों में कई क्लोन ठिकाने हैं। पुतिन के ऑफिस में कई क्लोन ठिकाने बने हुए हैं। पुतिन की आवासों में भी कई गुप्त ऑफिस हैं। पुतिन के घरों में कम से कम तीन क्लोन ऑफिस हैं। नोवो, वालदाई और सोची की आवासों में यह दफ्तर बनाए गए हैं। तीनों ऑफिसेस में भेद कर पाना नामुमकिन है।उनकी मीटिंग्स के 700 वीडियो की समीक्षा की गई, जिनमें सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण विसंगतियां पाई गईं, जिससे यह साबित हुआ कि क्लोन ठिकाने बने हुए हैं। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अब क्लोन ठिकानों की जरूरत क्यों पड़ी?

इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पुतिन की सुरक्षा के लिए यह इंतजाम किए गए हैं। क्लोन ठिकाने बनाए गए हैं। पुतिन के असली ठिकाने का पता किसी को न चल सके इसलिए यह एहतियात बरती गई। पुतिन किस ऑफिस में है ये पता न किया जा सके।

कैसा है यह क्लोन ऑफिस?

सभी क्लोन ऑफिस एक जैसे बने हैं। दरवाजे के हैंडल तक एक-एक सामान बिल्कुल सेम हैं। दीवारों की सजावट भी एक जैसी है। ऑफिस में लगी स्टेशनरीज को भी बिल्कुल जस का तस रखा गया है। यानी तीनों क्लोन ऑफिसेस बिल्कुल एक से दिखते हैं।

क्लोन ठिकाने कैसे बने हैं?

कुछ और डिटेलिंग अगर गौर किया जाए तो सभी क्लोन ऑफिस एक जैसे बने हैं। हर तस्वीर एक सी नजर आएगी लेकिन है अलग-अलग दफ्तर की है। यहां तक कि दरवाजे के हैंडल तक बिल्कुल एक समान हैं। यानी एक-एक चीज का ध्यान रखा गया है। दीवारों की सजावट भी बिल्कुल एक जैसी की गई है। ताकि यह बिल्कुल भेद न लगाया जा सके। भेद न किया जा सके कि कौन सा ऑफिस है जिसकी यह तस्वीर है।

अखिल भारत हिंदू महासभा इंदौर के जिला उपाध्यक्ष पद पर अंकिता पवार को किया गया नियुक्त

खुशबू श्रीवास्तव

अखिल भारत हिंदू महासभा के द्वारा इंदौर की जिला उपाध्यक्ष के रूप में अंकिता पवार को नियुक्त किया गया इस दौरान अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कई कार्यकर्ता उनको बधाई देने के लिए कृष्णपुरा छत्री पर पहुंचे जहां पहले उनका स्वागत फूल माला एवं फूलों से किया गया पश्चात अंकिता पवार ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि जिस प्रकार लव जिहाद जैसे मामले हमारी बहन बेटी के साथ हो रहे हैं और लगातार आतंकी हमले हमारे देश के लोगों पर किए जा रहे हैं इन सभी के लिए अखिल भारत हिंदू महासभा ने मुझे एक बड़ी जिम्मेदारी दि है जिसमें मैं सभी कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्रीय

हित और देश हित में काम करूंगी अंकित पवार ने कहा मैं कराटे मे गोल्ड मेडलिस्ट हूं मैंने प्रदेश लेवल एवं स्टेट लेवल एवं नेशनल लेवल पर खेल है मैं अपने सभी नारी शक्ति को इसके लिए प्रेरित करूंगी साथ ही में सभी को निशुल्क ट्रेनिंग दूंगी जिससे हमारी नारी शक्ति और मजबूत हो जाएगी प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित आनंद महाराज ने कहा कि आज हम लोगों को जागरूक होने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है सबसे पहले हम जागरूक हो उसके बाद देश की जनता को जागरूक करें तभी देश का उद्धार होगा हम जल्दी इन सभी मुद्दों को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से चर्चा करेंगे इसके लिए क्रमबद्ध कम आंदोलन किया जाएगा।

इंदौरः आबकारी की बड़ी कार्यवाही

अवैध मंदिरा और टू-व्हीलर के साथ कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

कलेक्टर जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम बर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी ,डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, उड़नदस्ता प्रभारी श्री कमलेश सोलंकी, एडीईओ श्री जहांगीर खान और श्री धर्मेन्द्र जोशी * के मार्गदर्शन में आज दिनांक 14/11/2025 को *वृत्त बालदा कॉलोनी वृत प्रभारी मीरा सिंह ने मुखबिर की सूचना पर अपनी टीम के साथ रीजनल पार्क के सामने दबिश देकर घेराबंदी करते हुए एक दोपहिया वाहन एक्टिवा अवतार क्रमांक MP-09-एसएम-5559 में अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही 50 +बल्क लीटर से अधिक शराब जप्त कर आरोपी प्रदीप जाधव पिता हरि सिंह जाधव,25 वर्ष निवासी 73 राहुल गांधी नगर,थाना-भंवरकुआ,जिला-इंदौर(मप्र)को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)के, एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर गैर जमानती अपराध होने पर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल दाखिल कराया गया है।जांच में कुछ और नाम सामने आ रहे हैं जिनकी तस्दीक की जा रही है।जब्त मदिरा और वाहन की कुल कीमत 1,12,500 रुपए निकाली गई है। आरोपी पर पूर्व से पंजीबद्ध हैं कइ अपराध आरोपी प्रदीप जाधव के खिलाफ इंदौर के थाना राजेन्द्र नगर, भंवरकुआं के साथ आबकारी में अवैध रूप से शराब के परिवहन, संग्रहण और बिक्री के दर्जनों अपराध पंजीबद्ध हैं।

सराहनीय भूमिका

आज की कार्यवाही में बालदा कालोनी वृत्त प्रभारी मीरा सिंह,आबकारी आरक्षक बब्लू सिसोदिया, कोमल कनेल और ड्राइवर अमित एवं अरबाज का सराहनीय योगदान रहा ।

भाजपा ने बाबा साहब को हमेशा सम्मान देने का काम किया है : भगवान परमार

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार ने शनिवार को फूल बाग स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पहुंचकर उन्हें माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार ने कहा कि वे लोग जो संविधान लेकर घूम रहे हैं जिन्होंने बाबा साहब का अपमान किया था और बाबा साहब को चुनाव हराने का काम किया था, और हमने और हमारी विचारधारा ने बाबा साहब को सम्मान देने का काम किया था, बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम किया था, बाबा साहब के पंचतंत्र बनाने का काम किया था, हमने बाबा साहब के संविधान को संविधान दिवस के रूप में मनाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि देश में दो प्रकार की विचारधारा है एक परिवार वाली विचारधारा, भ्रष्टाचार वाली विचारधारा और एक राष्ट्रवादी विचारधारा, एक सामाजिक समरसता वाली विचारधारा जो सबका साथ सबका विश्वास और सब का विकास को लेकर चलने वाली विचारधारा है और एक विचारधारा ऐसी है जो परिवार को, भ्रष्टाचार को और जितने भी देशद्रोही संगठन है उनको समर्थन करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो उन्होंने नारा दिया था कि हम गरीबी हटाएंगे, लेकिन ऐसा हो ना सका, लेकिन जब केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकारें बनने लगी तब अनुसूचित जाति मोर्चा के लोग कांग्रेस से हटकर भाजपा से जुड़ने लगे तब भाजपा की

सरकारों में सामाजिक समरसता और समानता का भाव देकर अनुसूचित जाति मोर्चा के लोगों का विकास किया और आज अनुसूचित जाति आत्मनिर्भर की ओर बढ़ रही है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, जिला महामंत्री विनय जैन, राजू पलैया, हरीश मेवाफरोश, पप्पू बडौरी, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संतोष गोडयाल, धर्मेंद्र आर्य, मुरारीलाल मित्तल, जिला मीडिया प्रभारी नवीन चौधरी, पूर्व पार्षद शिवराम जाटव, ओमप्रकाश धनोल, प्रमोद चौहान, बलराम मंडेलिया, सुनील श्रीवास्तव, विरजू शिवहरे, अखिल राजोरिया, गब्बर जाटव, सुनील नगेले, भीकम खटीक, पार्षद कुमारी भावना कनौजिया, ममता आर्य, रेखा कुशवाह, आदित्य रत्नाकर, दिनेश लोकेंद्र, राजेंद्र महोविया, रोहित छावडिया, पोहप सिंह जाटव, संजय राजे, बालकिशन जाटव, विनोद चतरे, दारा सिंह जाटव, अर्जुन जाटव सहित अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी का भव्य स्वागत किया गया

आदित्य शर्मा

इंदौर। भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला,और सभी ने पुष्पगुच्छ एवं गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदीप भंडारी ने बिहार में भाजपा की जीत को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि"यह सिर्फ एक चुनावी जीत नहीं... यह सुशासन की जीत है, जनता के विश्वास की जीत है।" उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता ने विकास और स्थिर नेतृत्व पर भरोसा जताया है। स्वागत कार्यक्रम में सबसे प्रमुख रूप से सुनील पुरोहित जी उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह से प्रदीप भंडारी का स्वागत किया। इसके अलावा अनिल प्रजापति, रामेश्वर चौहान, ललित यादव, महेंद्र यादव, सुमित गर्ग, रामदास गर्ग, टिकेंद्रप्रताप सिंह, अंकित गर्ग, अखिल पुरोहित और सुदीप पाठक सहित अनेक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

रणजित टाइम न्यूज़पेपर को दस वर्ष पूर्ण होने पर खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने शुभकामनाएं प्रेषित की

इसी अवसर पर थाना प्रभारी को रंजीत टाइम्स द्वारा माँ अहिल्या की तस्वीर सब प्रेम भेंट की गई

इंदौर। खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने रंजिश टाइम न्यूज़पेपर के सफल 10 वर्ष पूर्ण होने पर संपादक एवं पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रंजीत टाइम ने पिछले एक दशक में निष्पक्ष, सटीक और जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से समाज में सकारात्मक भूमिका निभाई है। थाना प्रभारी सेंधव ने विश्वास जताया कि आगे भी न्यूज़पेपर इसी तरह जनहित और सत्य पर आधारित खबरों के माध्यम से अपनी पहचान बनाए रखेगा।

आज k y म्यूजिक ग्रुप के द्वारा हिंदी साहित्य भवन कार्यक्रम आयोजित किया गया

इंदौर में आयोजित उत्कृष्ट संगीत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए एक तू ही जयगुरूदेव सदगुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब,पूर्व राज्य मंत्री दिलीप कुमार,ज्योतिषाचार्य अग्रवाल जी ओर मां साध्वी श्री अनंता देवी एक तू ही गुरुद्वार जयगुरूदेव विश्व प्राकृतिक आध्यात्मिक ध्यान मंदिर की सचिव कार्यक्रम में एक तू ही जयगुरूदेव महाराज ने संचालिका आयोजक कविता यादव सिंगर का एक तू ही अवॉर्ड सम्मान पत्र,चंदन की माला शॉल,ओर एक तू ही पेन कलम देकर सभी मुख्य अतिथियो ने सम्मान कर आशीर्वाद दिया और जयगुरूदेव ने कहा संगीत एक आत्मा ओर मस्तिष्क को सुकून शांति देती हैं इसे आयोजन होने से जो पुराने कलाकार हैं उन का हौसले बढ़ता है। और एक तू ही जयगुरूदेव ने अपने भी सुमधुर गीत गाकर संगीत कलाकारों का होंसला बढ़ाया,कहा इसे आयोजन होने से कलाकारों को एक मंच मिलता रहता हैं। अंत में सभी अतिथियों की ओर से अनंता देवी ने आभार प्रकट किया।

पूर्वजों पर टिप्पणी से उबल उठा परमार समाज-राजा भोज के वंशजों का अपमान करने पर कुणाल चौधरी विवादों में

सूर्या परमार

शुजालपुर/कालापीपल। मध्यप्रदेश में एक सोशल मीडिया पोस्ट ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। कालापीपल के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी द्वारा मंत्री इंदर सिंह परमार को लेकर की गई टिप्पणी में "पूर्वजों" का संदर्भ जोड़ने पर परमार समाज ने कड़ी आपत्ति जताई है। चौधरी ने अपने पोस्ट में लिखा था कि"जिनके पूर्वज अंग्रेजों के सामने घुटने टेककर माफी मांगते रहे..." इस वाक्य को परमार समाज के लोगों ने सीधे-सीधे वंश और इतिहास पर चोट के रूप में लिया है। परमार समाज की प्रतिक्रियाः "हम राजा भोज के वंशज, इतिहास झुकने का नहीं—लड़ने का है" कुणाल चौधरी के बयान के बाद परमार समाज में नाराज़गी की लहर दौड़ पड़ी। समाजजनों ने कहा कि यह टिप्पणी न केवल असत्य है, बल्कि परमार वंश की गौरवशाली परंपरा का अपमान भी करती है। समाज के लोगों ने कहा कि परमार वंश का इतिहास वीरता, ज्ञान, प्रशासन और स्वाभिमान का इतिहास है। राजा भोज जैसे महान सम्राट इस वंश में हुए, जिनका नाम आज भी भारतीय इतिहास को गौरवान्वित करता है।

राजा भोज परमार वंश का गौरव लोगों ने इतिहास का हवाला देते हुए बताया कि राजा भोज मध्यकालीन भारत के सबसे शक्तिशाली और विद्वान राजाओं में से एक थे। वे साहस, न्याय, साहित्य, संस्कृति और युद्ध कौशल- सभी में अद्वितीय थे। उनके शासन को "भोज-काल" कहा जाता है, जिसे भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय माना जाता है। परमार वंश के योद्धाओं ने कभी किसी विदेशी सत्ता के आगे जुबान नहीं झुकाई, सिर नहीं झुकाया। समाजजनों का कहना है कि ऐसी विरासत पर "अंग्रेजों के सामने झुकने" जैसी टिप्पणी करना न केवल ऐतिहासिक रूप से गलत है, बल्कि समाज की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला कदम भी है।

सोशल मीडिया पर उबाल

राजनीति मुद्दों पर करें, समाज और पूर्वजों पर नहीं

कुणाल चौधरी की पोस्ट वायरल होने के बाद परमार समाज के युवाओं और वरिष्ठजनों ने सोशल मीडिया पर कड़े शब्दों में आपत्ति दर्ज की। लोगों का कहना है कि _राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी समाज, जाति या वंश के पूर्वजों पर टिप्पणी करना शोभनीय नहीं है।

समाज के कई सदस्यों ने कहा "हम परमार हैं। हमारे पूर्वजों ने इतिहास लिखा है, _किसी के आगे घुटने नहीं मोड़े।"

समाज की चेतावनीः "मर्यादा में रहें, वंश पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं स्थानीय परमार समाज संगठनों ने साफ कहा कि वे अपनी विरासत और सम्मान पर चोट करने वाली किसी भी टिप्पणी को स्वीकार नहीं कर सकते। समाज का कहना है कि यदि राजनीतिक बयानबाज़ी करनी है, तो मुद्दों पर की जाए, वंश, जाति और पूर्वजों को राजनीति में घसीटने की परंपरा बेहद गलत है।

समाजजनों ने कहा कि वे सब कुछ सह सकते हैं, लेकिन अपने पूर्वजों और परमार वंश की गरिमा पर की गई टिप्पणी नहीं। स्थानीय समाज का संदेश हम राजा भोज के वंशज हैं सम्मान हमारा संस्कार हैऔर जवाब देना हमारी परम्परा।

वैश्वीकरण व असीमित विकल्पों के दौर में द्वंद्व रहित जीवन संभव है सहजयोग से

जीवन की परिस्तिथियों में लिप्त ना होना, सुख दुख से परे जाकर जिंदगी का आनंद उठाना यूं अपने आप में समाया होना कि , हर समस्या का समाधान सहजता से प्राप्त हो यह सब जीवन जीने की कला है जो योग के बाद ध्यान करने से मनुष्य के भीतर विकसित होती है। "जब कुंडलिनी सहस्त्रार का भेदन करती है, तो आप अपने हाथों में शीतल हवा महसूस करते हैं। यह सौम्य शीतल लहरियां हैं जो कि पवित्र आत्मा या इस सर्वव्यापी शक्ति की ठंडी हवा है। लेकिन जब आप इस अवस्था को प्राप्त करते हैं तो आप आत्मा बन जाते हैं, आप उस पहिए की तरह अत्यंत शान्त बन बन जाते हैं, जो गतिशील है। और अगर आपका चित्त पहिए पर है, उसकी परिधि पर है, तब आपका मन भी हर समय चलायमान रहता है। लेकिन अगर आप पहिए की धुरी पर चित्त डालें, तो यह मौन है। अतः आप पूर्ण मौन के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और आप वहाँ से हरेक चीज़ को एक नाटक, एक लीला की तरह देखते हैं। यह सब चीजें आपके साथ सहज ही घटित होती हैं। आप पहले से ही इसी तरह से बनाए गए हैं ..... जिस तरह यहां सभी बिजली के बल्ब पहले से ही लगे हुए हैं, उसी प्रकार आपके अंदर ही सब कुछ बना बनाया हुआ है। अगर आपको रोशनी करनी है तो आपको बस उस बटन को दबाना मात्र है। "

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी जी के 5 अगस्त 1991 के प्रवचन से साभार हम देख रहे हैं विश्व कितनी तेजी से बदल रहा है। तकनीकी विकास ने, इस ग्लोबलाइजेशन ने जैसे विश्व को एक सूत्र में जोड़ दिया है। परंतु साथ ही साथ हम एक अशांति में प्रवेश होने से स्वंय को बचा नहीं पा रहे हैं। तकनीकी विकास ने मानवता, इंसानियत और भाई चारे को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इंसान भी जैसे भावहीन मशीन सा बन गया है. बस पैसे कमाना, सुख सुविधाओं का उपयोग यही जिंदगी बन गई है। धर्म, राजनीति, परिवार और समाज हर जगह द्वंद्व है. जो जन साधारण के अंतर में बेचैनी का भाव भर रहा है. . वर्तमान में स्थिति यह है कि हमारे आसपास के बदलते परिवेश का प्रभाव हम पर इतना अधिक होता है कि हम हम एक बेचैनी से भरा जीवन जीने को विवश होते हैं. शांति से यदि जीवन जीना है तो हमें ध्यान योग से जुड़ना चाहिए. सहज योग से जुडने पर जब हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जब जागरण होता है तब हमारे अंदर कई गुण विकसित होते हैं जिसमें एक गुण है साक्षी भाव। साक्षी भाव के जागृत होते ही हम पर आसपास के घटनाओं का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और हम हर एक घटना को साक्षी बनकर देखने लगते हैं। अतः सहज योग से जुड़कर आत्म साक्षात्कार पायें और जीवन का आनंद उठायें. अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

बिरसा मुंडा अमर रहे के नारों से गूंजा खवासा....!

धरती आबा क्रांतिकारी जननायक भगवान बिरसा मुंडा कि प्रतिमा का ऐतिहासिक अनावरण...।

राजेश सोनी

धरतीआबा,आदिवासी क्रांतिकारी, जननायक, भगवान बिरसा मुंडा कि 150 वी जयंती के अवसर पर जिले के ग्राम खवासा में बामनिया रोड स्थित उप तहसील कार्यालय के समीप प्रतिमा का ऐतिहासिक अनावरण किया गया। इसके पहले मंडी प्रांगण में सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम कि शुरुआत

कार्यक्रम कि शुरुआत सभा में उपस्थित वक्ताओं द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर,आदिवासी क्रांतिकारी जननायक टंट्या भील,बिरसा मुंडा,राणा पुंजा भील आदि महापुरुषों कि प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत संबोधन किया गया।मध्यप्रदेश के आसपास जिलों सहित गुजरात,राजस्थान,महाराष्ट्र आदि से आए वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष पर अपना वक्तव्य देते हुए अंग्रेजों द्वारा कुटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को जल-जंगल-जमीन से बेदखल करने से जिससे विचलित होकर बिरसा का "आदिवासी विद्रोह उलगुलान आंदोलन" "अबुआ दिशूम-अबुआ राज"व आदिवासी के पुनरुत्थान के लिए किए गए कार्यों,और उनके द्वारा ब्रिटिश राज के दौरान किए गए आंदोलनों में उनके द्वारा किए गए नेतृत्व का बखान कर उनके बलिदान को याद किया। व आदिवासी समाज कि शैक्षणिक,सामाजिक,राजनीतिक व आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का संकल्प लिया।

सोशल मीडिया का सदुपयोग

वहीं नारी शक्तियों ने भी सभा को संबोधित किया।सभा को संबोधित करते हुए समाज कि लड़कियों को सोशल मीडिया पर रिलस,विडियो न बनाकर समाज में फैली कुरुतियों व समाज में शैक्षणिक गतिविधियों पर कार्य करने कि बात कही।

नशा मुक्त समाज बनाने की अपील

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने नशे से समाज में होने वाले दुष्प्रभाव के कारण युवाओं को नशा मुक्त समाज बनाने कि अपील करते हुए नशे से दूर बनाने की।

अनावरण एवं समापन

सभा समापन के पश्चात् पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल मांदल के साथ रैली के रुप में प्रतिमा स्थल पहुंचे। रैली में बिरसा मुंडा अमर रहे,जय जोहार जैसे नारों से पुरा नगर गुंजायमान हो गया।प्रतिमा स्थल पहुंचने पर आदिवासी परंपरा पुजा पद्धति के अनुसार पुजा अर्चना कर समाज वरिष्ठों के हाथों से मूर्ति का अनावरण किया गया। व तत्पश्चात माल्यार्पण अर्पित कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

इजरायल की तरह हमला करो नहीं टिक पाएगा पाकिस्तान

● बलूच नेता का भारत को बड़ा ऑफर, बताई मुनीर सेना की कमजोर नस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी हिंसा की परिस्थितियां बनाने की तैयारी कर रहा है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास बम विस्फोट मामले की जांच में एजेंसियों को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिंक मिले हैं। मामले में हुई कई गिरफ्तारियों में पकड़े गए संदिग्धों के पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क की जानकारी सामने आई है। यह इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान बड़ी योजना पर काम कर रहा है। इस बीच बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने भारत से अब सीधी कार्रवाई की मांग की है। बलूचिस्तान के अधिकार समूह के कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने कहा कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है।

● बिहार में एसआईआर के बाद जमकर हुआ मतदान

अब दूसरे राज्यों में आएगी तेजी, चुनाव आयोग की खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मतदाताओं की अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की गई। खासकर दो दशकों में पहली बार राज्य में एसआईआर के बाद भारी मतदान ने निर्वाचन आयोग के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। आयोग अगले चरण में एक दर्जन अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर को लागू करने वाला है, जिनमें अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले राज्य भी शामिल हैं। मतदाताओं की भारी भागीदारी विपक्ष के वोट चोरी वाले आरोपों को कमजोर करती है।

कांग्रेस के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया और राहुल गांधी ने राज्य में वोट अधिकार यात्रा भी निकाली। जनता के बीच इसे कोई खास समर्थन नहीं मिला। कांग्रेस के उम्मीदवार केवल 6 सीटों पर जीत पाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी विपक्षी दलों और कार्यकर्ताओं की याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिनमें बिहार में एसआईआर को रोकने या रद्द करने की मांग की गई थी। उन्हें डर था कि इससे कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यकों का मताधिकार छीन लिया जाएगा।

भारी मतदान निर्वाचन आयोग की उपलब्धि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने विजय भाषण में कहा कि बिहार में भारी मतदान को निर्वाचन आयोग की बड़ी उपलब्धि बताया। साथ ही, किसी भी पोलिंग बूथ पर दोबारा वोटिंग कराने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, मैं निर्वाचन आयोग, चुनाव-संबंधी अधिकारियों, सुरक्षा बलों और मतदाताओं को इसके लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने इस पर जोर दिया कि बिहार के मतदाताओं, खासकर युवाओं ने एसआईआर को अत्यंत गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शुद्धता के लिए हर वोट मायने रखता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भी कहा कि मतदाताओं ने स्वेच्छा से एसआईआर में भाग लिया और सभी समयसीमाओं का पालन सुनिश्चित किया गया।

सीमापार से जुड़े दिल्ली कार विस्फोट के तार!

● जैश ने डॉक्टर्स की टेरर टीम को भेजी थी रकम ● मनी ट्रेल का खुलासा, 20 लाख रुपए भेजे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के बाहर कार विस्फोट मामले में खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। खुफिया एजेंसियों ने तीन डॉक्टरों, उमर, मुजम्मिल और शाहीन से जुड़े 20 लाख रुपये के मनी ट्रेल का खुलासा किया है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि यह रकम जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर द्वारा हवाला नेटवर्क के जरिये भेजी गई होने का शक है। ऐसा माना जा रहा है कि इस रकम में से करीब 3 लाख रुपये 26 क्विंटल एनपीके उर्वरक खरीदने पर खर्च किए गए, जो खेतीबाड़ी में इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम बेस्ड केमिकल मिश्रण है, जिससे विस्फोट में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक भी बनाए जा सकते हैं। पैसों को लेकर डॉ. उमर और डॉ. शाहीन के बीच टकराव था।

दिल्ली कार विस्फोट में जैश का हवाला कनेक्शन

हैंडलर के जरिए आतंकी उमर तक पैसे भेजने की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट केस में जांच एजेंसियों को संदिग्ध आतंकवादी मुजम्मिल से पूछताछ में अहम लीड मिली है।

एजेंसियों को पता चला है कि हुंडई आई-20 कार को चला रहे आतंकवादी उमर उन नबी को कथित तौर पर हवाला के जरिए पैसे मिले थे। सूत्रों के अनुसार, अल फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टर मुजम्मिल ने अधिकारियों को बताया कि डॉक्टरों को 20 लाख रुपए मिले थे। संभावना जताई जा रही कि जैश-ए-मोहम्मद से यह पैसे आए थे और एक हैंडलर ने हवाला के जरिए डॉक्टरों तक यह रकम पहुंचाई थी। 20 लाख रुपए में से करीब तीन लाख रुपए उर्वरक खरीदने में खर्च किए गए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी फॉर्च्यूनर, 5 लोगों की मौत

● एमपी के ग्वालियर में गाड़ी काटकर निकालने पड़े शव

मृतकों में एक प्रॉपर्टी कारोबारी का था इकलौता बेटा

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। हादसा ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच हुआ। सभी मृतक ग्वालियर निवासी बताए जा रहे हैं। वे फॉर्च्यूनर में उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण ड्राइवर, कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई। शव कार और ट्रॉली के बीच बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय निवासियों ने कटर मशीन की मदद से गाड़ी को काटकर शवों को बाहर निकाला। फॉर्च्यूनर ग्वालियर के प्रॉपर्टी कारोबारी उमेश राजावत की है। शनिवार रात करीब 9 बजे वे शनिचरा धाम से लौटे थे। उसके इकलौता बेटा प्रिंस राजावत कार ले गया था। नेशनल हाईवे यह हादसा हुआ।

जोधपुर में ट्रक-टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत

● रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे, 12 लोग घायल, सभी जोधपुर रेफर

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर में ट्रक और टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हैं। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से जोधपुर के मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे। हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ। बालेसर थाना प्रभारी मूल सिंह भाटी ने बताया- बालेसर में नेशनल हाईवे-125 पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टेम्पो को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक आगे जाकर पलट गया।

900 किलो सौंफ, 400 किलो खसखस जब्त, मिलावट व अमानकता का शक

बिना खाद्य लाइसेंस के बड़े पैमाने पर खाद्य सामग्री का भंडारण

इंदौर। जिला प्रशासन और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को सियागंज क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जवाहर मार्ग स्थित वेयरहाउस रोड पर जयश्री मर्चेंट के गोदाम पर औचक निरीक्षण किया गया। प्रारंभिक जांच में सौंफ में रंग की मिलावट और खसखस के अमानक होने की आशंका सामने आने पर करीब 900 किलो सौंफ और 400 किलो खसखस जब्त किए गए।

मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में फूड एंड ड्रग लैब के उद्घाटन समारोह में मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के पालन में कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान के प्रोप्राइटर अमित

गोगिया बिना किसी खाद्य लाइसेंस के बड़े पैमाने पर खाद्य सामग्री का भंडारण कर रहे थे।

गोदाम से लिए गए सौंफ और खसखस के नमूने खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत जांच हेतु भेजे गए हैं। लाइसेंस न होने के कारण गोदाम को अगली कार्रवाई तक सील कर दिया गया है। नमूनों की विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित के खिलाफ वैधानिक कदम उठाए जाएंगे। प्राथमिक जांच में हथेली में सौंफ रगड़ें, अगर हाथ में गहरा हरा रंग चिपके तो यह रंग मिलावट का संकेत है। केवल हल्का हरा रंग आना सामान्य और प्राकृतिक है। पानी से भरे पारदर्शी गिलास में खसखस डालें शुद्ध खसखस तली में बैठ जाएगी। यदि ऊपर तैरे या पानी दूधिया हो जाए तो मिलावट की आशंका होती है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 40 लाख ठगे, पुलिस ने 3 को पकड़ा

फर्जी वेबसाइट की लिंक भेजकर अधिक मुनाफे का लालच

इंदौर। ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये हड़पने वाले फर्जी ट्रेडिंग गिरोह का विजयनगर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर अब तक 40 लाख रुपये की ठगी का खुलासा किया है। आरोपी फर्जी वेबसाइट की लिंक भेजकर कम निवेश में अधिक मुनाफा देने का लालच देते थे।

एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के अनुसार, फरियादी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान मेघदूत गार्डन के सामने तीन संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपना परिचय शिवेंद्र नौदहा (हमीरपुर, उप्र), चिराग (बैतूल, मप्र) और प्रवीण (शाजापुर) के रूप में दिया। आरोपियों के मोबाइल चेक करने पर सामने आया कि वे लोगों को फर्जी साइट पर इन्वेस्ट करवाकर ठगी करते थे।

आरोपी अपनी असली पहचान छिपाकर लोगों से संपर्क करते और निवेश के नाम पर ठगे हुए पैसे नशे व अन्य शौकों में खर्च करते थे। पुलिस ने बताया कि अब तक 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी सामने आ चुकी है, जबकि अन्य पीड़ितों की तलाश जारी है। आरोपियों से और वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

लेजर ट्रीटमेंट से टैटू हटाने की कोशिश में युवती की त्वचा झुलसी, शिकायत की

युवती का एयर होस्टेस बनने का सपना टूटा, कोई कार्रवाई नहीं हुई

इंदौर। शहर में बिना रजिस्ट्रेशन और बिना योग्यता वाले लोगों द्वारा लेजर ट्रीटमेंट करने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में ओल्ड पलासिया स्थित एक क्लीनिक में गलत लेजर ट्रीटमेंट के कारण एक युवती की त्वचा बुरी तरह खराब हो गई।

पीड़ित युवती ईशा जायसवाल ने बताया कि इस घटना ने न सिर्फ उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाया बल्कि एयर होस्टेस बनने का उनका सपना भी टूट गया। ईशा ने इसकी शिकायत सीएमएचओ कार्यालय और पुलिस से की है। लेकिन, अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि एविएशन कोर्स के दौरान उनसे टैटू हटाने की सलाह दी गई, जिसके बाद वे ओल्ड पलासिया स्थित 'प्योरशेडो क्लीनिक' पहुंचीं। यहां दीपक नाम के व्यक्ति ने खुद को डॉक्टर

बताकर भरोसा दिलाया और डॉ जाह्नवी जैन से मिलकर लेजर सेशन शुरू कर दिए।

तीन महीने में 10 सेशन के बावजूद टैटू हल्का नहीं हुआ, बल्कि त्वचा जलने लगी और हाथ पर गहरे निशान पड़ गए। बाद में त्वचा विशेषज्ञों ने बताया कि लेजर गलत तरीके से किया गया है, जिसका पूरी तरह इलाज प्लास्टिक सर्जरी से भी मुश्किल है। ईशा को यह भी पता चला कि उपचार करने वाला दीपक डॉक्टर नहीं था और बिना योग्यता के लेजर मशीन चला रहा था।

क्लीनिक की पूर्व कर्मचारी शीतल शर्मा ने भी डॉक्टर जाह्नवी जैन पर कोर्स और सर्टिफिकेट के नाम पर 25 हजार रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि टैटू हटाना अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है और यह केवल प्रमाणित त्वचा रोग विशेषज्ञ ही कर सकते हैं। गलत लेजर ट्रीटमेंट से त्वचा जलने, स्थायी दाग और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

सलमान लाला मामले में एजाज खान से पूछताछ

इंदौर। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में मुंबई के एक्टर एजाज खान को इंदौर क्राइम ब्रांच ने तलब कर करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। मामला सलमान लाला से जुड़े एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर की गई टिप्पणी से संबंधित है। अधिकारियों के अनुसार, टिप्पणी की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए एजाज खान को इंदौर बुलाया गया था।

पूछताछ के दौरान क्राइम ब्रांच ने अभिनेता का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया,ताकि डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा सके। कार्रवाई सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री के खिलाफ की जा रही है, जो कानून-व्यवस्था या साम्प्रदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है। जानकारी के अनुसार, पूछताछ के दौरान एजाज खान ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए माफी भी मांगी। क्राइम ब्रांच का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम की आर्थिक स्थिति बिगड़ी ठेकेदारों के 700 करोड़ रुपए बकाया

कई प्रोजेक्ट आधे-अधूरे पड़े, जबकि कुछ तो शुरू ही नहीं हो पाए

इंदौर। नगर निगम इंदौर की आर्थिक स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती जा रही है। हालात यह हैं कि निगम पर ठेकेदारों का करीब 700 करोड़ रुपये का बकाया हो चुका है, जिसके कारण ठेकेदार निगम से दूरी बनाते जा रहे हैं। न तो ठेकेदार नए टेंडर भर रहे हैं और न पुराने काम पूरे कर पा रहे हैं। इससे शहर के विकास कार्य ठप पड़ने की कगार पर हैं।

जानकारी के अनुसार चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि में लगातार हो रही कटौती ने निगम की कमर तोड़ दी है। इसी वजह से न केवल विकास कार्य अटके हैं, बल्कि कर्मचारियों को तनख्वाह देने में भी निगम कठिनाई का सामना कर रहा है। बीते कुछ महीनों में निगम द्वारा जारी किए जाने वाले टेंडर लगभग शून्य स्तर पर पहुंच गए हैं। कई प्रोजेक्ट आधे-अधूरे पड़े हैं, जबकि कुछ तो शुरू ही नहीं हो पाए। भुगतान न मिलने से ठेकेदार भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं। इस स्थिति को लेकर निगम के वरिष्ठ अधिकारी गंभीर हैं और जल्द ही भोपाल में शासन स्तर पर चर्चा की तैयारी कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि उच्च अधिकारियों को पूरी स्थिति से अवगत करा दिया गया है, बावजूद इसके राहत मिलती नजर नहीं आ रही। जल्द ही चुंगी क्षतिपूर्ति की पूरी राशि दिलाने की मांग रखी जाएगी। साथ ही निगम की आमदनी बढ़ाने के लिए राजस्व वसूली को मजबूत करने की भी रणनीति बनाई जा रही है। फिलहाल, निगम की वित्तीय दशा चिंताजनक बनी हुई है और इसके प्रभाव शहर के विकास पर साफ दिखने लगे हैं।

ग्वालियर जिले में कानून व्यवस्था चाक चौबंद

कलेक्टर एवं एसएसपी ने अलसुबह विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

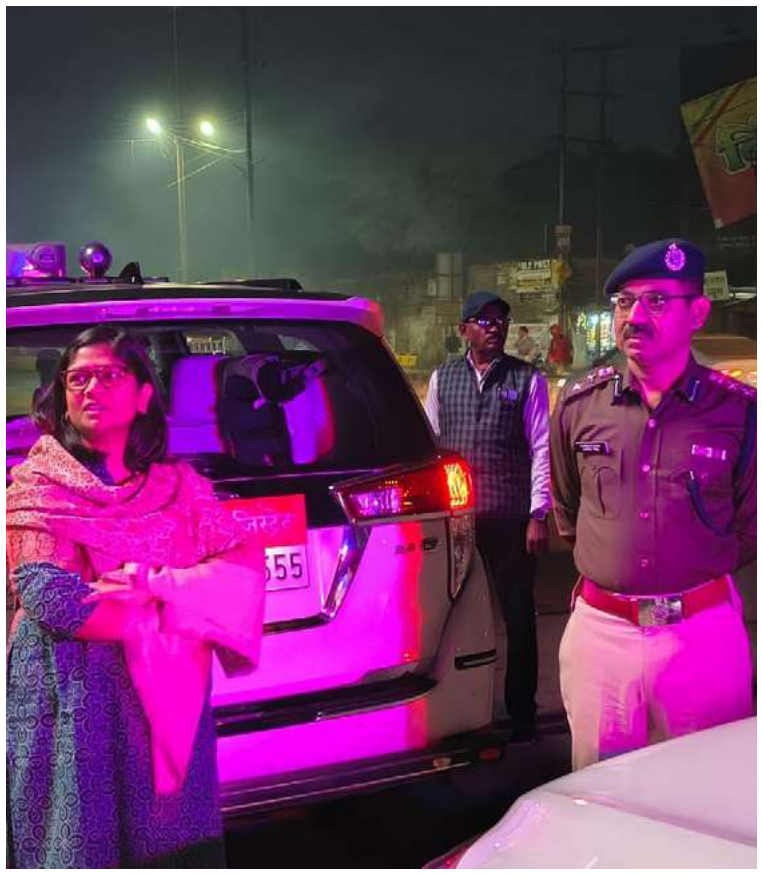

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- जिले में कानून व्यवस्था का जायजा लेने के लिए कलेक्टर रूचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने अलसुबह से ग्वालियर शहर सहित जिले के विभिन्न स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सभी जगह कानून व्यवस्था चाक चौबंद मिली। कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ ही जिले के सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों ने भी अपने-अपने क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों के साथ भ्रमण कर कानून व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों आदि का भ्रमण कर कानून व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन के संबंध में भी वस्तार से निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिए।

राजस्थान के सांचौर से पकड़े गये मौलवी के मोबाइल से मिली कट्टरपंथ से जुड़ी 3 लाख से ज्यादा फोटो, गिरफ़्तारी से दो दिन पहले दुबई भागने वाला था ओसामा

ओमप्रकाश बांगड़वा, सांचौर। राजस्थान एटीएस के हत्थे चढ़ा सांचौर का मौलवी ओसामा उमर आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए स्लीपर सेल तैयार कर चुका था। उसने कई युवाओं को जिहाद की ट्रेनिंग के लिए तैयार कर लिया था। उनमें से 4 को एटीएस ने डीरेडिकलाइज (कट्टरपंथी सोच से बाहर निकालने की प्रक्रिया) के लिए भेज दिया है।

पकड़े जाने से पहले अपने मोबाइल का सारा डेटा डिलीट कर चुका था, जिसे एफएसएल ने रिकवर कर लिया है। उसके मोबाइल से करीब 3 लाख से अधिक फोटो रिकवर हुए हैं, जो धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने वाली हैं। लश्कर ए तैयबा के आतंकी सैफुल्लाह से ओसामा उमर बेहद प्रभावित था। उसी के वीडियो देखता था। सैफुल्लाह के कुछ रिश्तेदार ओसामा के टच में थे। लोगों का ब्रेनवॉश करने के लिए ओसामा वॉयस मैसेज के जरिए उनकी बात भी करवाता था। एटीएस के आईजी विकास कुमार के अनुसार, कुछ दिन बाद ओसामा अफगानिस्तान स्थित आतंकी कैंप में ट्रेनिंग लेने के लिए जाने वाला था। उससे पहले ही वो पकड़ा गया।

14 नवंबर को एटीएस ने पकड़ा था- आईजी एटीएस विकास कुमार ने बताया कि ओसामा को 4 नवंबर को उसे सांचौर से डिटेन किया था। प्रमाणित होने के बाद 6 नवंबर को गिरफ्तार किया था। तब पूछताछ में सामने आया कि कि वो पकड़े जाने के दो दिन बाद यानी 8 नवंबर को ही दुबई

भागने की तैयारी कर रहा था। वहां से उसे अफगानिस्तान जाना था। इसके बाद टीटीपी के बेस कैंप में जिहाद की ट्रेनिंग लेनी थी। यह भी पता चला कि वहां से ट्रेनिंग के बाद भारत लौटकर अपनी स्लीपर सेल को एक्टिवेट करने का भी प्लान बना रखा था।

मोबाइल से 4 साल का डेटा रिकवर

ओसामा के मोबाइल की एफएसएल रिपोर्ट सामने आ गई है। 4 साल से वो आतंकी संगठन के टच में था। ऐसे में मोबाइल से करीब 4 साल का डेटा रिकवर किया गया है। उसमें कट्टरपंथ से जुड़ी 3 लाख से अधिक फोटो रिकवर की गई हैं। अधिकांश फोटो पर उर्दू-अरबी या फारसी में कुछ मैसेज लिखे हुए हैं। इनकी लैंग्वेज एक्सपर्ट को बुलाकर जांच की जाएगी। इसके अलावा ओसामा के कब्जे से अफगानिस्तान की एक सिम भी मिली है। हालांकि इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि ओसामा तक यह सिम कैसे पहुंची। एजेंसियां उस सिम की भी जांच कर रही हैं।

परनाना रह चुके विधायक, परिवार को भी थी जानकारी- ओसामा के परनाना वली मोहम्मद बाड़मेर से विधायक (दूसरी विधानसभा- 1957 से 1962) रह चुके हैं, जबकि नाना जमीयत उलेमा-ए-हिंद राजस्थान के नायब रहे। ओसामा गलत राह पर था, इसकी पूरी जानकारी परिवार को थी। पूछताछ से पता चला कि परिवार ने ओसामा को कई बार समझाने का भी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। परिवार का कोई सदस्य ओसामा की विचारधारा से प्रभावित हुआ या नहीं, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। आईजी एटीएस विकास कुमार ने बताया कि आरोपी के माता और पिता दोनों ही पक्ष का धार्मिक इतिहास रहा है। अधिकतर लोग धार्मिक शिक्षा और मस्जिदों से जुड़े हैं। कोई इमाम है तो कोई मदरसे में शिक्षक। ओसामा के पिता मदरसे में पढ़ाते हैं।

एक चाचा मस्जिद में अजान देते हैं। ओसामा ने करौली में अलीमा की पढ़ाई (धार्मिक शिक्षक बनने की स्टडी) की और फिर सहारनपुर स्थित दारुल उलूम देवबंद से उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उसने महाराष्ट्र से अरबी भाषा का कोर्स किया और राजस्थान के कई शहरों अजमेर, करौली, जोधपुर, फलौदी, झुंझुनूं और सांचौर की मस्जिदों में इमाम के रूप में भी काम किया।

4 लोगों को कट्टर बनाने के लिए कर रहा था ब्रेनवॉश-

एटीएस ने हाल ही में ओसामा के संपर्क में आए चार संदिग्धों को भी डिटेन किया था। ओसामा इन सभी पर कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ने का दबाव बना रहा था। एटीएस के अधिकारियों का कहना है कि चारों का अभी तक किसी भी गतिविधि में सम्मिलित होना नहीं पाया गया है। हालांकि ये 6 महीने से ओसामा के संपर्क में थे।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

सिंचाई विभाग की लापरवाही का 'जल प्रहार'

किसान डूबे, अफसर बचे – आखिर जिम्मेदार कौन?

सूर्या परमार शुजालपुर

अख्तियारपुर – नरोला तालाब से पानी छोड़ने की जल्दबाज़ी ने किसानों पर ऐसा कहर ढाया कि पूरे खेत तालाब बन गए। कनाल की सफाई तो महीनों से नहीं हुई, ऊपर से बारिश के कट भी नहीं भरे गए... नतीजा? किसानों के खेतों में इतना पानी भर गया कि मानो कोई जाकर उसमें नहा आए! फसलें खड़ी थीं, उम्मीदें खड़ी थीं, लेकिन सिंचाई विभाग की 'कागज़ी सफाई' ने सब डुबो दिया। अख्तियारपुर 217 की लाइन पूरी तरह जाम पड़ी रही, पानी निकलने का नाम नहीं, और खेत देखते ही देखते मक्का नहीं – मिनी झील बन गए।

अब बड़ा सवाल यह है

किसानों की फसल डुबोने का असली गुनहगार कौन? तालाब से पानी छोड़ने से पहले कनाल की हालत क्यों नहीं देखी गई? क्या विभाग की नींद किसानों की तबाही के बाद ही खुलेगी? किसान रो रहे हैं, फसलें सड़ रही हैं, पर विभाग के अफसर 'जांच करेंगे' का रटा-रटाया मंत्र पढ़ रहे हैं। यह प्राकृतिक आपदा नहीं... यह विभागीय लापरवाही की खुली बयानी है।किसानों की फसल बही नहीं- विभाग का सच बह गया है!

इनका कहना

अनुराधा कुशवाह सब इंजिनियर

किसानों ने जगह कब्जा में कर रखी JBC निकलने नहीं देते

बड़े सियासी ध्रुवीकरण के बाद भी बिहार ने दुनिया को कैसे दिया लोकतंत्र का बड़ा संदेश

बिहार ने इस बार अपने वोटिंग रिकॉर्ड को तोड़ते हुए एक नया इतिहास लिखा है। करीब 67% मतदान के साथ राज्य ने अब उन 'चेतन' और अधिक वोटिंग वाले मसलन तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी राज्यों की श्रेणी में कदम रख दिया है। लंबे समय तक पीछे रहने वाला बिहार अब मतदान के मामले में बड़ी छलांग लगाता दिखाई दे रहा है। यह बदलाव लंबे समय तक चर्चा में रहेगा।

मतदान में पुरुषों से आगे निकलीं महिलाएं

सबसे प्रभावशाली दृश्य महिला वोटरों का था। महिलाओं का मतदान प्रतिशत 71.6%, पुरुषों से लगभग नौ प्रतिशत अधिक। पिछले 75 वर्षों के भारतीय चुनावों में इतनी बड़ी लिंग-आधारित बढ़त लगभग अनसुनी है। पिछले दस वर्षों में महिलाएं लगातार पुरुषों से अधिक मतदान कर रही हैं, और इस बार महिलाओं पर केंद्रित योजनाओं और हाल में किए गए नकद हस्तांतरणों ने इसे और मजबूत किया। 1.3 करोड़ जीविका दीदियों का संगठित नेटवर्क अब आर्थिक और राजनीतिक, दोनों रूप से एक मजबूत शक्ति बन चुका है। चुनाव नतीजों में इस 'महिला प्रभाव' की छाप साफ दिखाई देती है।

वोटिंग में एक्टिव हुआ यूथ

युवा मतदाताओं की भागीदारी भी चुनाव से पहले ही गर्म हो चुकी थी। नौकरियों, पलायन और 'विकल्प राजनीति' के नए विमर्शों ने युवाओं को पहले से अधिक सक्रिय बनाया। उम्र और जाति आधारित विस्तृत आंकड़े अभी आएंगे, लेकिन नए रजिस्ट्रेशन की संख्या बहुत कुछ बता देती है। चार विशेष अभियानों में 22 लाख नए युवा मतदाता जुड़े, जिससे साफ संकेत मिलता है कि युवाओं ने इस बार मतदान बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशेष गहन पुनरीक्षण ने किया कमाल

बिहार में पहली बार लागू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) 2025 ने भी इस बढ़ी हुई वोटिंग में अहम योगदान दिया। चुनाव विश्लेषकों का मानना रहा है कि मतदाता सूची में मृत, पलायन कर चुके या दोहराए गए नामों के कारण मतदान प्रतिशत कम दिखाई देता है। SIR अभियान ने ऐसे लगभग 65 लाख नाम हटाकर मतदाता सूची को अधिक वास्तविक बनाया। इससे न सिर्फ आंकड़े सही हुए, बल्कि शुरुआत से ही वोटर जागरूकता भी बढ़ी। अगर इसे पूरे देश में लागू किया जाए, तो लोकसभा चुनावों का मतदान 70% के पार जा सकता है। हालांकि देश के 30 करोड़ प्रवासी मतदाता अभी भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं, जिन तक पहुँचना SIR जैसे अभियानों के लिए भी मुश्किल है। चुनाव आयोग को इन गायब मतदाताओं को जोड़ने के नए तरीके खोजने होंगे।

सियासी मुकाबला ने भी बढ़ाया मतदान प्रतिशत

चुनाव की गर्मी और राजनीतिक मुकाबला भी इस रिकॉर्ड मतदान के पीछे एक कारक रहा। बिहार के गठबंधनों, जातीय समीकरणों और नई 'विकल्प राजनीति' ने पूरे चुनाव को बेहद प्रतिस्पर्धी बना दिया था। हालांकि बिहार के चुनाव कभी भी सुस्त नहीं रहे, फिर भी मतदान हमेशा इतना ऊंचा नहीं रहा। इस बार सत्ताधारी दल निश्चित रूप से यह दावा कर सकता है कि उसकी महिलाकेंद्रित नीतियों ने बड़ा असर डाला।

इस विशेष अभियान ने भी बढ़ाया मतदान में भागीदारी

2009 के लोकसभा चुनावों के बाद चुनाव आयोग ने मतदान बढ़ाने को एक स्वतंत्र लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया और SVEEP कार्यक्रम शुरू किया, एक वैज्ञानिक योजना जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को रजिस्ट्रेशन और मतदान के लिए प्रेरित करना था। इसके परिणाम पिछले कई चुनावों में साफ दिखाई दिए हैं। पिछले तीन राष्ट्रीय चुनावों में मतदान 65% के आंकड़े को पार करता रहा। मनोवैज्ञानिक और सामाजिक तरीकों से मतदाताओं को जोड़ना अब चुनाव प्रबंधन का मुख्य चेहरा बन चुका है। इस बार सभी कदम सफलता से चले, लेकिन SIR सबसे प्रमुख साबित हुआ। SVEEP ने खास तौर पर महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर काम किया, और 2014 के बाद से महिला-पुरुष मतदान अंतर का कम होना इसका स्पष्ट परिणाम है।

रिकॉर्ड टर्नआउट एक बड़ा संदेश

बिहार का यह रिकॉर्ड टर्नआउट एक बड़ा संदेश देता है। बढ़ती राजनीतिक ध्रुवीकरण, विवादों और आरोपों के बीच सामान्य भारतीय नागरिक अब भी मतदान को लोकतंत्र में अपनी हिस्सेदारी का सबसे प्रभावी माध्यम मानता है। पिछले 15 वर्षों में जहां दुनिया में औसत वोटिंग 10% घट गई।

जमीन-आसमान से भी ज्यादा खतरनाक दिमाग पर कब्जे की ये जंग, सोशल मीडिया के 'वॉर ऑफ माइंड्स' को समझिए

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखा कि महज 25 मिनट में इंडियन आर्म्ड फोर्सेस ने पाकिस्तान के भीतर आतंक के 9 ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। ये चार दिनों की आसमान, जमीन और टेक्नॉलजी की इंटेंस जंग थी। इस पूरी कवायद के बीच एक ऐसी जंग भी चल रही थी जो किसी बॉर्डर पर नहीं थी बल्कि थी दिमाग पर कब्जे की जंग। ये जंग है कॉग्नेटिव वॉरफेयर जिसे दिमागी जंग कह सकते हैं। इस जंग में गोलियों की जगह नैरेटिव चलते हैं और मोर्चा सोशल मीडिया और मोबाइल नोटिफिकेशंस संभालते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और इसके बाद भी लगातार चल रही दिमाग पर।

कब्जे की जंग पर

साल 2025, तारीख 6/7 मई, वक्त-1 बजकर 51 मिनट। महज तीन शब्दों ने उस रात पूरी दुनिया को वो संदेश दे दिया जो भारत देना चाहता था। इंडियन आर्मी के एक्स हैंडल @adgpi से पोस्ट हुआ- Justice is Served और साथ में ऑपरेशन सिंदूर का लोगो। बस, इतना ही काफी था। तीन शब्दों में जो बात भारत कहना चाहता था वो दुनिया ने साफ-साफ सुन ली। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बना दिया। इसके बाद इंडियन आर्मी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर कई प्रयोग शुरू किए। कभी राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता तो कभी रॉक म्यूजिक के साथ बनाए वीडियो। लेकिन सवाल यह कि आखिर क्यों? इसका मकसद क्या था और इससे हासिल क्या हुआ? इसके बाद इंडियन आर्मी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर कई प्रयोग शुरू किए। कभी राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता तो कभी रॉक म्यूजिक के साथ बनाए वीडियो। लेकिन सवाल यह कि आखिर क्यों? इसका मकसद क्या था और इससे हासिल क्या हुआ?

नवंबर को इंडियन आर्मी ने अपने एक्स हैंडल पर 30 सेकंड का एक वीडियो जारी किया। उसमें लिखा था- Coordinates have consequences। साथ ही यह संदेश भी कि 'हम टारगेट का पीछा नहीं करते, उसे खत्म कर देते हैं।' इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गईं कि क्या भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 लॉन्च करने जा रहा है? क्या भारत ने नए टारगेट तय कर लिए हैं? इससे दो दिन पहले से ही आर्मी के हैंडल ने टीज करना शुरू किया था- 'Shadows and Steel... this weekend onwards.' बस फिर क्या था, लोगों ने अंदाज़े लगाने शुरू कर दिए कि आखिर इस वीकेंड क्या होने वाला है। साथ ही यूज़र्स ने ऑपरेशन सिंदूर के पुराने वीडियो फिर से पोस्ट करने शुरू कर दिए। अब यह स्वाभाविक था क्योंकि आर्म्ड फोर्सेस की बड़ी एक्सरसाइज़ के वीडियो सामने आते ही अब लोगों के दिमाग में ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर उभरने लगती है। यही तो कॉग्नेटिव वॉरफेयर की सफलता है, जब दिमाग में पहले से ही एक इमेज बैठा दी जाए।

अब इंफॉर्मेशन है सबसे बड़ा हथियार

करगिल युद्ध से पहले तक भारतीय सेना और मीडिया के बीच एक दूरी थी और इसका अर्थ था जनता से दूरी। लेकिन वक्त के साथ तस्वीर बदली। करगिल युद्ध के बाद इंडियन आर्मी में बना एडिशनल डायरेक्टरेट जनरल ऑफ स्ट्रैटजिक कम्युनिकेशन (ADGSC पुराना नाम ADGPI) जो पहले सिर्फ ज़रूरी सूचनाएं देने का काम करता था, अब नेरेटिव सेट करने और दुश्मन के नेरेटिव को ध्वस्त करने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी कोशिश यही रही कि दुश्मन किसी भी जानकारी को हथियार बनाकर इस्तेमाल न कर सके और हम इस खेल में उससे कई कदम आगे रहें। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान की आईएसपीआर यानी Inter-Services Public Relations कहीं बड़ी और ज्यादा संसाधनों वाली टीम है। वहां करीब 532 स्थायी कर्मचारी हैं, जिनमें आर्मी ऑफिसर से लेकर सिविलियन तक शामिल हैं और हर साल पांच से छह हजार इंटर्न अलग से रखे जाते हैं। इसके मुकाबले भारत का ADGSC सिर्फ करीब 50 लोगों की टीम है जिसमें 18 अधिकारी शामिल हैं। मगर असर और विश्वसनीयता के स्तर पर यह कहीं आगे है।

क्यों है अहम

कॉग्नेटिव वॉरफेयर के जरिए टारगेट ऑडियंस के दिमाग में ऐसी तस्वीर बनाई जाती है, जिस पर वह यकीन करे और जिसकी भावनात्मक गूंज महसूस करे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान Justice is Served जैसे तीन शब्दों ने यही किया। दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत ने न्याय किया है, जिम्मेदारी से किया है और अपनी तकनीकी और सामरिक क्षमता भी दिखा दी है। यह साबित करने का तरीका था कि भारत अब इस नई जंग, यानी दिमाग की जंग में भी आगे है।आसान नहीं हर तरह की ऑडियंस को इंगेज करना आज की हकीकत यही है कि परसेप्शन इज रिएलिटी। असलियत भले कुछ और हो लेकिन जो दिखाई देता है वही सच माना जाता है। अमेरिका दशकों से इस कला में माहिर है। हॉलीवुड की टॉप गन जैसी फिल्मों से लेकर उनकी मिलिट्री कैंपेन तक, सबके जरिए एक ही संदेश दिया जाता है कि अमेरिकी फोर्सेज दुनिया की सबसे ताकतवर हैं। इंडियन आर्मी भी अब इस कला में तेजी से आगे बढ़ी है।'याचना नहीं अब रण होगा...' सिंदूर के वक्त जब एक वीडियो में रामधारी सिंह दिनकर की 'रश्मिरथी' की पंक्ति 'याचना नहीं अब रण होगा' शामिल की गई, तो वह हर वर्ग तक पहुंची। जनरेशन ज़ी को शायद दिनकर की कविता न पता हो लेकिन उसमें इस्तेमाल रॉक म्यूजिक ने उन्हें जोड़ा। इसलिए उस वीडियो पर 'Dude, this is so cool!' जैसे कमेंट्स दिखे, और कविता फिर से चर्चा में आ गई। वहीं बड़ी उम्र के ऑडियंस दिनकर की पंक्तियों से जुड़ गए। इसी तरह इंस्टाग्राम पर 'वीकेंड वाइब्स' के नाम से एक सीरीज़ चलाई जा रही है, जिसमें सैनिकों को कश्मीर के किसी कोने में बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते या मुस्कुराते हुए दिखाया जाता है ताकि सेना का मानवीय चेहरा भी सामने आए।दुश्मन को संदेश देने का तरीका।

एक अधिकारी बताते हैं कि जब हम वीडियो में आर्मी की नई ऑल-टेरेन व्हीकल दिखाते हैं, तो यह सिर्फ मशीन नहीं दिखा रहे होते, यह दुश्मन को संदेश देने का तरीका होता है कि हम कहीं भी पहुंच सकते हैं। पैराजंपिंग या ड्रोन ऑपरेशन के वीडियो भी इसी सोच का हिस्सा हैं। हाल के महीनों में आर्मी ने सोशल मीडिया पर कई प्रयोग किए हैं।